सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

"अगर समय आपका इम्तिहान ले रहा है, तो समझिए भविष्य आपको मजबूत बना रहा है।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	39°	31°
शनिवार	39°	30°
रविवार	38°	27°
सोमवार	32°	26°
मंगलवार	30°	27°
बुधवार	32°	27°
वीरवार	35°	27°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 17 JULY TO 23 JULY 2026 • VOLUME 50 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

लोगों को शुद्ध पेट्रोल और ई-20 पेट्रोल में से चुनाव करने की स्वतंत्रता मिले : मुख्यमंत्री

हर नागरिक को ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर कर इस लड़ाई में शामिल होना चाहिए

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

ई-20 पेट्रोल के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं के खिलाफ आवाज़ बुलंद करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को लोगों से एकजुट होने और ई-20 पेट्रोल की आपूर्ति के माध्यम से उपभोक्ताओं के साथ हो रहे अन्याय के विरुद्ध संघर्ष में शामिल होने का आह्वान किया। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा शुरू किए गए अभियान का समर्थन करने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने देशभर के नागरिकों से स्टापई20पेट्रोलडाटकॉम पर ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया, ताकि इस मुद्दे से प्रभावित लोगों की चिंताएं प्रधानमंत्री तक पहुंच सकें। एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "हर नागरिक को इस याचिका पर हस्ताक्षर कर अपनी आवाज़ बुलंद करनी चाहिए, ताकि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार, जिसने जानबूझकर इस गंभीर मुद्दे की अनदेखी की है, को सुधारात्मक कदम उठाने के लिए मजबूर किया जा सके।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "मोटरसाइकिलों से लेकर अन्य वाहनों तक, देशभर के लोग ई-20 पेट्रोल के कारण अपने वाहनों में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस शोषण के खिलाफ अरविंद केजरीवाल जी ने प्रधानमंत्री को दो महत्वपूर्ण मांगों के साथ पत्र लिखा है। पहली, लोगों को शुद्ध पेट्रोल और ई-20 पेट्रोल में से अपनी पसंद का पेट्रोल चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। दूसरी, ई-20 पेट्रोल की कीमत तत्काल कम की जानी चाहिए। लोगों की आवाज़ केंद्र सरकार तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक हस्ताक्षर महत्वपूर्ण है।" मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "ई-20 पेट्रोल देशभर में वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। वाहनों का माइलेज कम हो गया है और लोग लगातार केंद्र सरकार के समक्ष यह मुद्दा उठा रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जनता की बढ़ती चिंताओं के बावजूद भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। इसके विपरीत, वाहन मालिकों में यह चिंता बढ़ रही है कि उनकी मेहनत की कमाई से खरीदे गए वाहनों के इंजन को गंभीर क्षति पहुंच सकती है।" उन्होंने कहा, "अरविंद केजरीवाल स्वयं लोगों की शिकायतें सुनने के लिए मैदान में उतरे। एक वाहन मरम्मत केंद्र के दौरे के दौरान उन्होंने खराब पड़े वाहनों की लंबी कतारें देखीं और लोगों में भारी रोष का अनुभव किया। इसके बाद उन्होंने तत्काल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बिना किसी देरी के हस्तक्षेप करने की अपील की। क्या केंद्र सरकार तभी जागेगी, जब वाहनों को हो रहे नुकसान की गंभीरता प्रधानमंत्री के संज्ञान में आएगी?"

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार किस प्रकार का पेट्रोल खरीदना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों प्रकार के पेट्रोल को एक ही कीमत पर बेचने के बजाय ई-20 पेट्रोल की कीमत शुद्ध पेट्रोल से कम होनी चाहिए। एक समान मूल्य वसूलने से बड़ी तेल कंपनियों को लाभ होता है, जबकि आम उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ता है। सीएम मान ने कहा, "अरविंद केजरीवाल द्वारा शुरू की गई यह ऑनलाइन याचिका देश के प्रत्येक नागरिक की लड़ाई है। हर व्यक्ति को इस मुद्दे पर अपनी आवाज़ उठानी चाहिए, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव लोगों और उनके परिवारों पर पड़ता है। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि वे ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर करें। हमारा सामूहिक संघर्ष केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने और समाधान निकालने के लिए बाध्य कर सकता है। समय की मांग है कि केंद्र सरकार अपने इस निर्णय पर पुनर्विचार करे।"

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़ जैसे हालात, दम घुटने से एक की मौत, 100 के करीब घायल

भुवनेश्वर. ओडिशा के पुरी में गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा के दौरान दम घुटने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई और कई अन्य लोगों के घायल होने की आशंका है। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की सालाना रथ यात्रा देखने के लिए भारी भीड़ जमा हुई थी। रथ खींचने की रस्म देखने के लिए 'बड़ा डंडा' (ग्रैंड रोड) पर इंतज़ार करते समय दम घुटने की वजह से श्रद्धालु गिर पड़ा। उसे तुरंत पुरी ज़िला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भीड़ में कई अन्य श्रद्धालुओं के भी घायल होने की खबर है; इमरजेंसी टीमों ने उन्हें मेडिकल मदद दी और इलाज के लिए नजदीक मौजूद अस्पताल ले गईं। पुलिस और आपदा राहतकर्मियों ने तुरंत मौके पर पहुँचकर हालात का जायज़ा लिया। हालांकि अधिकारियों की गुंडिचा मंदिर तक निकलने वाली सालाना यात्रा के दौरान भीड़ के प्रबंधन पर पूरी नज़र थी।

प्रधान को हटाकर सोनम वांगचुक को देश का शिक्षा मंत्री बनाया जाए : केजरीवाल

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक के अनशन को समर्थन देकर युवाओं को संबोधित किया

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंतर मंतर से शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को देश का शिक्षा मंत्री बनाने की मांग रख कर युवाओं के अंदर उम्मीद की नई किरण जगा दी है। गुरुवार को उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक से मुलाकात कर उनके संघर्ष का समर्थन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा कि धर्मेंद्र प्रधान को हटाकर सोनम वांगचुक को देश का शिक्षा मंत्री बनाया जाए। लेकिन प्रधानमंत्री ऐसा करेंगे नहीं, क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं सोनम वांगचुक शिक्षा में कोई क्रांति न ला दें। देश की सड़ चुकी शिक्षा व्यवस्था को एक क्रांतिकारी कदम ही ठीक कर सकता है। इसलिए देश को सोनम वांगचुक जैसा एक क्रांतिकारी शिक्षा मंत्री के साथ ही क्रांतिकारी कदम दोनों की जरूरत है। इस दौरान सांसद संजय सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारे देश की शिक्षा प्रणाली को दुरुस्त करने के लिए पूरे देश के युवा जो कॉकरोच आंदोलन के बैनर तले इकट्ठे हुए हैं, मैं उन सब लोगों को सलाम करता हूं। मैं सोनम वांगचुक को सलाम करता हूं जो अपने लिए नहीं, बल्कि युवाओं और हमारे देश के बच्चों के लिए अपनी जान दांव पर लगाकर पिछले 19 दिन से अनशन कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि हमारे देश में ऐसे बहुत सारे टीचर्स हैं जिन्होंने पेपर लीक के खिलाफ अपने-अपने शहर से आवाज उठाई, लेकिन उनको गिरफ्तार कर लिया गया। उन टीचर्स को तरह-तरह से टॉर्चर किया गया और उनके खिलाफ एफआईआर की गई, मैं उन सब लोगों को भी सलाम करता हूं। सोनम वांगचुक एक बहुत बड़े शिक्षाविद् हैं। उन्होंने पहले भी लद्दाख और देश के लिए कई बार अनशन किए हैं और आज उन्होंने देश के लिए अपनी जान दांव पर लगाई हुई है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब कोई बच्चा कॉम्पिटिटिव एग्जाम देने जाता है तो वह सिर्फ एक एग्जाम नहीं, बल्कि उसके लिए एक सपना होता है। जब वह एग्जामिनेशन हॉल में घुसता है तो उसे विश्वास होता है कि मैं अपनी मेहनत और अपनी बुद्धिमत्ता के बल पर अपना भविष्य बनाऊंगा। मैंने भी आईआईटी के पेपर दिए थे और उसमें सफल होकर आईआईटी गया था, लेकिन उन दिनों पेपर लीक नहीं होते थे। अगर उन दिनों पेपर लीक हो रहे होते तो शायद मेरा आईआईटी देने का विश्वास ही नहीं बनता। मेरे दोनों बच्चे भी आईआईटी से हैं और उनके समय पर भी पेपर लीक नहीं होते थे।

केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ सालों से जिस तरह से देश में पेपर लीक होने लगे हैं, उससे बच्चे का वह आत्म विश्वास लड़खड़ाने लगा है कि अगर वह मेहनत करेगा और इंटेलिजेंट है तो अमीरों के बच्चों को भी पीछे छोड़ देगा।

आबकारी नीति मामले में हाई कोर्ट ने केजरीवाल, सिसोदिया व पाठक को दिया आखिरी मौका

नई दिल्ली. दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आप नेता दुर्गेश पाठक को एक आखिरी मौका दिया। यह मौका उन्हें सीबीआई की उस रिवीजन याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए दिया गया है, जिसमें दिल्ली आबकारी नीति मामले में सभी आरोपियों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। जस्टिस मनोज जैन ने गौर किया कि सुनवाई के दौरान केजरीवाल, सिसोदिया और पाठक समेत किसी भी प्रतिवादी की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ। कोर्ट को बताया गया कि पहले मौका दिए जाने के बावजूद, सिर्फ़ इन तीन प्रतिवादियों ने ही अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। देरी पर ध्यान देते हुए, बेंच ने उन्हें अपना जवाब रिकॉर्ड पर लाने का एक आखिरी मौका दिया और साफ़ कर दिया कि कार्यवाही में और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब इस

मामले की सुनवाई के लिए 17 और 18 अगस्त की तारीख तय की गई है।

सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में केजरीवाल, सिसोदिया और दुर्गेश पाठक समेत सभी आरोपियों को बरी करने वाले ट्रायल कोर्ट के 27 फरवरी के फैसले को चुनौती दी है। इससे पहले जब मामला जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से जस्टिस मनोज जैन को ट्रांसफर किया गया था, तो हाई कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया था कि वह केजरीवाल, सिसोदिया और पाठक को मामले के ट्रांसफर के बारे में औपचारिक रूप से सूचित करे। कोर्ट ने कहा था कि भले ही ट्रांसफर की खबर मीडिया में बड़े पैमाने पर आई हो, फिर भी औपचारिक सूचना दी जानी चाहिए।

मानसून सत्र में पेपर लीक और राम मंदिर से जुड़े मुद्दों पर जवाब मांगेगी कांग्रेस

नई दिल्ली. आगामी मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस पार्टी विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरने की तैयारी कर रही है। गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल और राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह संसद में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए पुरजोर तरीके से आवाज उठाएगी। साथ ही, कमरतोड़ महंगाई, विदेश नीति की विफलताओं, रणनीतिक भूलों और वनों की कटाई जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में विपक्षी दलों के साथ समन्वय और सदन के भीतर सरकार को घेरने की विशेष योजना पर भी विचार-विमर्श किया गया।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलने की संभावना है। सत्र की शुरुआत से पहले विपक्षी गठबंधन इंडिया की सोमवार को एक बैठक प्रस्तावित है, जबकि केंद्र सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। कांग्रेस का लक्ष्य इन सभी ज्वलंत मुद्दों के जरिए सरकार की जवाबदेही तय करना और जनहित के विषयों पर अपनी आवाज बुलंद करना है।

अब घरों के नजदीक मिलेगा राशन, 2,800 नए राशन डिपो धारकों को लाइसेंस जारी

साहिबजादा अजीत सिंह नगर/चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को 2,800 नए राशन डिपो धारकों को लाइसेंस सौंपे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य भर के लोगों को राशन उनके घरों के नजदीक उपलब्ध कराया जा सके। इस कदम से लगभग 5.5 लाख राशन कार्ड धारकों को लाभ होगा, जिन्हें अब अपना मासिक राशन लेने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी या काम छोड़ना नहीं पड़ेगा। मोहाली के विकास भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने इन लाइसेंसों को ईमानदारी, निष्पक्षता और सहानुभूति के साथ लोगों की सेवा करने की एक बड़ी जिम्मेदारी बताया।

मारुति और उसके डीलर के खिलाफ उपभोक्ता आयोग ने अपनाया सख्त रुख

रायपुर. देशभर में ई20 पेट्रोल की बिक्री शुरू होने के बाद उसके प्रभाव को लेकर चल रही बहस अब एक महत्वपूर्ण कानूनी मोड़ पर पहुंच गई है। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने मारुति सुजुकी और उसके डीलर को एक ग्राहक की ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड एसयूवी वापस लेकर उसी मॉडल की नई कार देने का आदेश दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब केंद्र सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि ई20 पेट्रोल से इंजन को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता और इसके खिलाफ चल रहा अभियान भ्रामक तथा राजनीतिक रूप से प्रेरित है।

आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुंडू और सदस्य डॉ. आनंद वर्गीज की पीठ ने मामले की सुनवाई के बाद निर्माता और डीलर को सेवा में कमी का दोषी माना। आयोग ने आदेश दिया कि दोनों पक्ष 45 दिनों के भीतर शिकायतकर्ता की कार वापस लेकर उसी मॉडल की ई20 संगत नई कार उपलब्ध कराएं। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो वाहन की पूरी कीमत, आरटीओ शुल्क और बीमा प्रीमियम सहित कुल 20.50 लाख रुपये लौटाने होंगे। इसके अलावा मानसिक प्रताड़ना के लिए एक लाख रुपये तथा मुकदमे के खर्च के रूप में 10 हजार रुपये देने का भी आदेश दिया गया है। निर्धारित समय में भुगतान नहीं होने पर सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा। यह फैसला इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह ई20 ईंधन की अनुकूलता और वाहन कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं को दी जाने वाली जानकारी के मुद्दे को सीधे केंद्र में ले आता है।

भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन लगभग 2,600 यात्रियों की क्षमता के साथ सतत रेल परिवहन के लिए तैयार

हाइड्रोजन रिसाव, गर्मी, आग की लपटों और धुएं का पता लगाने वाले बहुस्तरीय सुरक्षा तंत्रों से युक्त है ट्रेन

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भारतीय रेलवे देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए तैयार है। यह ट्रेन सबसे स्वच्छ ईंधन हाइड्रोजन का उपयोग करके स्वयं बिजली उत्पन्न करती है। उपयोग के समय इससे लगभग शून्य उत्सर्जन होता है। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे द्वारा ट्रेनों को चलाने के तरीके में हुए विकास का एक नया अध्याय है, जो कोयले और भाप से स्वच्छ, अधिक टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों की ओर भारत की व्यापक यात्रा को दर्शाता है।

पिछले 12 वर्षों में तीव्र विद्युतीकरण ने आयातित डीजल पर निर्भरता को काफी हद तक कम कर दिया है, जिससे स्वच्छ रेल परिवहन में अगली प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। आज, 99 प्रतिशत से अधिक ब्रॉड गेज मार्गों के विद्युतीकरण के साथ, भारतीय रेलवे इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ रहा है। ओवरहेड लाइनों से बिजली लेने वाली पारंपरिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों के विपरीत, हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेनसेट हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच रासायनिक प्रतिक्रिया के माध्यम से ट्रेन के अंदर ही बिजली उत्पन्न करती है, जिसमें जल वाष्प एकमात्र उप-उत्पाद के रूप में उत्पन्न होता है।

एक तरह से देखा जाए तो, यह ट्रेन एक बार फिर से अपने ऊर्जा स्रोत का इस्तेमाल खुद करती है, जैसे कभी भाप और डीजल से चलने वाले इंजन करते थे। लेकिन कोयले या डीजल जैसे पारंपरिक ईंधन जलाने के बजाय, हाइड्रोजन वायुमंडल से ऑक्सीजन लेकर ट्रेन के अंदर बिजली पैदा करता है, जिससे दहन और बाहरी बिजली आपूर्ति पर निर्भरता खत्म हो जाती है। चूंकि स्वच्छ हाइड्रोजन तकनीक से ट्रेन के अंदर ही बिजली पैदा होती है, इसलिए यह ट्रेन रेल परिवहन का सबसे पर्यावरण-अनुकूल रूप है, जो सतत गतिशीलता के भविष्य को शक्ति प्रदान करती है। इस उन्नत प्रणोदन प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए, देश ने ट्रेन में बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणालियां लगाई हैं जो हाइड्रोजन रिसाव, गर्मी, आग और धुएं का पता लगाने में सक्षम हैं। जिंद-सोनीपत खंड पर 75 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति और 110 किमी प्रति घंटे की डिज़ाइन गति के साथ, यह ट्रेन न केवल सुरक्षित है बल्कि 89 किमी के इस मार्ग पर तेज भी है। वर्तमान में विश्व स्तर पर चलने वाली अधिकांश हाइड्रोजन यात्री ट्रेनों में केवल दो या तीन कोच होते हैं और ये मुख्य रूप से छोटे क्षेत्रीय मार्गों पर ही संचालित होती हैं। इसके विपरीत, भारतीय रेलवे की ट्रेन को 10 कोच वाली यात्री ट्रेन के रूप में तैयार किया गया है, जिसकी क्षमता लगभग 2,600 यात्रियों की है। यह उच्च-क्षमता वाली यात्री सेवाओं के लिए हाइड्रोजन-संचालित रेल परिवहन की अनुकूलनशीलता को प्रदर्शित करता है।

हाइड्रोजन अत्यंत ज्वलनशील होती है, और इससे स्वाभाविक रूप से सबके मन में एक सवाल उठता है: क्या हजारों यात्रियों को ऐसी ट्रेन में बिठाना सुरक्षित है जो इतनी आसानी से आग पकड़ सकती है? यहां ट्रेन के काम करने के तरीके और भारतीय रेलवे द्वारा इसे सुरक्षित बनाने के लिए उठाए गए कदमों की सरल व्याख्या दी गई है।

50,000 रुपये रिश्वत लेते सहकारी सभा का इंस्पेक्टर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने जिला बरनाला के सहकारी सभा, तपा में तैनात इंस्पेक्टर हर्ष बंसल को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को सहकारी सभा, तपा से सेवानिवृत्त सचिव जंग सिंह द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के विरुद्ध इस समय विभागीय जांच चल रही है। आरोपी इंस्पेक्टर ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता की सेवानिवृत्ति संबंधी बकाया राशि जारी कराने तथा जांच का फैसला उसके पक्ष में करने के बदले 1,00,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में यह सौदा 50,000 रुपये में तय हुआ।

रिश्वत देने के बजाय शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो, रेंज पटियाला से संपर्क किया। शिकायत के आधार पर विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया और दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में आरोपी इंस्पेक्टर को शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई। आरोपी के विरुद्ध विजिलेंस ब्यूरो थाना, पटियाला में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

ट्रेन में लें जंगल सफारी का मजा! रेलवे ने शुरू की दुधवा नेशनल पार्क के लिए सुविधा

Travelling दुधवा नेशनल पार्क में जंगल और जंगली जानवरों के नजारे लेने के लिए इंडियन रेलवे ने ट्रेन की सुविधा शुरू की है। जानें इस ट्रेन से जुड़ी डिटेल- टिकट, टाइमिंग और रूट।

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

जंगल सफारी का मजा ट्रेन में बिल्कुल सेफ तरीके से लेने को मिलेगा। यूपी में रहते हैं तो इस मौके को मिस ना करें क्योंकि टूरिज्म को बढ़ावा देने, ज्यादा से ज्यादा टूरिस्ट को सुविधा देने के लिए अब रेलवे ने दुधवा नेशनल पार्क घूमने के लिए एसी चेयर कार ट्रेन शुरू की है।

अगर आप नेचर को करीब से देखने और महसूस करने के शौकीन और बारिश के दिनों में जंगल, जंगली जानवरों को देखना पसंद करते हैं तो ये ट्रेन आपके सपनों को पूरा करेगी। तो चलिए जानें इस ट्रेन की टाइमिंग, सुविधाएं और कहां से कहां तक ये ट्रेन आपको पहुंचाएगी, जैसी पूरी डिटेल।

दुधवा नेशनल पार्क के लिए चलाई गई ट्रेन जो देगी जंगल सफारी का मजा

नॉर्थईस्ट रेलवे के लखनऊ डिवीजन ने दुधवा नेशनल पार्क की खूबसूरती दिखाने के लिए मैलानी से बिछिया और फिर मैलानी रेल सेक्शन पर एमजी टूरिस्ट एसी चेयर कार सर्विस शुरू की है। आईआरसीटीसी (IRCTC) की ओर से चलाई जा रही ये स्पेशल ट्रेन टूरिस्ट लोगों को दुधवा नेशनल पार्क के जंगल और वाइल्डलाइफ के नजारे दिखाने के साथ ही आरामदायक सफर भी देगी।

जान लें ट्रेन की टाइमिंग

ये ट्रेन (नंबर 52260) हर शनिवार और रविवार यानी वीकेंड को मैलानी जंक्शन से बिछिया के लिए चलेगी। मैलानी रेलवे स्टेशन से सुबह 06:05 AM पर चलेगी और बिछिया रेलवे स्टेशन सुबह 10:30 AM पर पहुंचेगी। बीच में ये ट्रेन भीरा खेरी, पलिया कलां, दुधवा, बेलरायां, तिकुनिया, खैरटिया बांध रोड हाल्ट और मंझारा पूरब जैसे रेलवे स्टेशन पर रुकेगी।

इस ट्रेन की वापसी बिछिया जंक्शन से सुबह 11:45 AM पर होगा और मैलानी जंक्शन शाम 04:10 PM पर पहुंचेगी। यह ट्रेन पीछे भी उन्हीं स्टॉप से होकर जाएगी।

ट्रेन में मिलेंगी सुविधाएं

दुधवा नेशनल पार्क में जंगल सफारी का अनुभव खास बनाने के लिए ट्रेन में कई सुविधाएं दी गयी है। ये ट्रेन एक 60 सीटर टूरिस्ट AC चेयर कार है। जिसमे यात्रियों को आराम से बैठने और नेचर के नजारे लेने की सुविधा मिलेगी।

ट्रेन का किराया होगा बजट में

मैलानी–बिछिया–मैलानी रूट पर चलने वाली इस एसी चेयर कार ट्रेन का किराया ₹270 प्रति व्यक्ति है, टिकट बुकिंग के लिए पैसेंजर रिजर्वेशन काउंटर और IRCTC की वेबसाइट पर सुविधा मिल जाएगी। ट्रेन को शुरू करने से टूरिस्ट को ज्यादा से ज्यादा दुधवा नेशनल पार्क के इलाके की नेचुरल सुंदरता और जंगली जानवरों को करीब से देखने का मौका मिलेगा। सबसे खास बात कि इस ट्रेन की जर्नी में सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया है।

DIGITAL LIFESTYLE

डिजिटल लाइफस्टाइल! ये 5 चीजें सोशल मीडिया पर कभी शेयर नहीं करते सभ्य लोग

हर बात सोशल मीडिया पर शेयर करना समझदारी नहीं होती। कुछ लोग कम पोस्ट करके भी लोगों पर गहरा असर छोड़ जाते हैं। जानें ऐसी 5 बातें हैं, जिन्हें सभ्य लोग कभी भी ऑनलाइन शेयर नहीं करते।

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

रील्स, शॉर्ट्स और व्लॉग्स के समय में सोशल मीडिया जिंदगी का बड़ा हिस्सा बन चुका है। लोग क्या खा रहे हैं, कहां घूम रहे हैं, किससे मिले या क्या खरीदा... हर छोटी-बड़ी बात कुछ ही मिनटों में इंटरनेट पर पहुंच जाती है। लेकिन क्या हर बात दुनिया को बताना जरूरी है? कई ऐसे लोग होते हैं, जिनका व्यक्तित्व बिना ज्यादा बोले ही लोगों पर गहरी छाप छोड़ जाता है।

इसकी वजह सिर्फ उनका पहनावा या बोलने का तरीका नहीं, बल्कि यह भी है कि वे क्या पब्लिक करते हैं और क्या अपने तक ही रखते हैं। सभ्य लोग जानते हैं कि हर पल दिखाने के लिए नहीं होता, सिर्फ महसूस करने के लिए भी होता है। आइए जानते हैं ऐसी 5 बातें, जिन्हें वे सोशल मीडिया पर शेयर करने से बचते हैं।

1. अपनी सफलता का दिखावा नहीं करते

सभ्य लोग अपनी हर उपलब्धि का ढिंढोरा नहीं पीटते। वे जानते हैं कि मेहनत और काम खुद उनकी पहचान बनाते हैं। इसलिए वे दूसरों से आगे दिखने की होड़ में नहीं पड़ते।

2. हर ट्रेंड के पीछे नहीं भागते

हर नया ट्रेंड अपनाना जरूरी नहीं होता। ऐसे लोग सिर्फ इसलिए कोई वीडियो, फोटो या राय शेयर नहीं करते क्योंकि बाकी लोग भी ऐसा कर रहे हैं। वे वही करते हैं, जो उनके स्वभाव और सोच से मेल खाता है।

3. रियल टाइम होना जरूरी नहीं

अगर वे कहीं घूमने गए हैं या किसी खास मौके पर हैं, तो जरूरी नहीं कि उसी समय ही फोटो भी डाल दें। वे पहले उस पल को जीते हैं, फिर चाहें तो बाद में शेयर कर लेते हैं।

4. अपनी पूरी जिंदगी सबको नहीं बताते

हर रिश्ता, हर परेशानी और हर खुशी इंटरनेट पर बताना जरूरी नहीं होता। सभ्य लोग कुछ बातें सिर्फ अपने परिवार और करीबी लोगों तक ही रखते हैं। यही आदत उनकी प्राइवेसी बनाए रखती है।

5. हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं समझते

सोशल मीडिया पर अगर कोई उनकी आलोचना करे या उन्हें कुछ समझ ना आए, तो वे तुरंत सफाई देने नहीं लगते। वे जानते हैं कि हर बहस में उतरना जरूरी नहीं होता। कई बार चुप रहना ही सबसे अच्छा जवाब होता है।

कम शेयर करना क्यों फायदेमंद हो सकता है?

- पर्सनल लाइफ सेफ रहती है।
- लोग आपको ज्यादा गंभीरता से लेते हैं।
- बेवजह की बहस और तनाव कम होता है।
- हर पल को कैमरे के बजाय दिल से जीने का मौका मिलता है क्योंकि आपकी पहचान आपके काम से बनती है, सिर्फ पोस्ट से नहीं।
- सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय इन बातों का रखें ध्यान
- सोच-समझकर ही कुछ भी शेयर करें।
- गुस्से या दुख में तुरंत पोस्ट करने से बचें।
- दूसरों से तुलना करने की आदत छोड़ें।
- याद रखें कि हर बात दुनिया को बताना जरूरी नहीं होता।

कच्चे आम और टमाटर से बनाएं चटपटी चटनी, रोज का खाना बन जाएगा टेस्टी

रोज की रोटी-सब्जी, दाल-चावल का टेस्ट बोरिंग लगने लगता है तो मां को परेशान करने की बजाय ये चटनी बनवाकर फ्रिज में रख दें। दो से तीन दिन आराम से खा सकेंगे और इसका टेस्ट भी लाजवाब आएगा...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

रोज के खाने में दाल, रोटी, सब्जी, चावल लगभग यहीं होता है। इस टेस्ट को बढ़ाने के लिए लोग अचार, चटनी, रायता, पापड़ ऐड कर लेते हैं। अगर आप भी हर रोज की दाल-रोटी के टेस्ट को बढ़ाना चाहती हैं तो ये कच्चे आम और टमाटर की चटपटी सी चटनी बनाकर रख लें। एक से दो दिन फ्रिज में स्टोर भी कर सकेंगी और ये आपके खाने में एकस्ट्रा टेस्ट ऐड करने में मदद भी करेगी। खासतौर पर घर के वो सदस्य जो ज्यादा तीखा और चटपटा खाने की डिमांड करते हैं उनके लिए तो ये चटनी बिल्कुल परफेक्ट है। बस कुछ मिनटों में बन जाने वाली इस रेसिपी को एक बार जरूर ट्राई करें।

कच्चे आम-टमाटर की चटनी बनाने की सामग्री

- दो से तीन टमाटर
- एक कच्चा बड़े साइज का आम
- तीन से चार हरी मिर्च
- लाल मिर्च स्वादानुसार
- लहसुन की कलियां चार से पांच
- एक प्याज
- दो चार डंठल हरी धनिया के पत्तों की
- नमक स्वादानुसार
- सरसों का तेल तीन से चार चम्मच
- कच्चे आम-टमाटर की चटनी बनाने की विधि

कच्चे आम और टमाटर को मिलाकर बनने वाली इस चटनी का टेस्ट काफी स्मोकी फ्लेवर वाला होता है। जो रोटी, पराठे के साथ खाने में भी मजा देता है। इसे बनाने के लिए बस सिंपल स्टेप को फॉलो करें।

सबसे पहले कड़ाही या पैन में सरसों का तेल दो से तीन चम्मच डालकर गर्म कर लें।

अब कच्चे आम को काट लें। आम को साइड से काटकर अलग कर लें जिससे गुठली ना रहे। एक आम में गुठली हटाने के बाद दो से तीन बड़े टुकड़े आसानी से निकल आते हैं। इन्हें छीलने का झंझट ना करें। अच्छी तरह से धोकर छिलका सहित ही काट लें।

कड़ाही को गैस पर चढ़ाया है तो तेल गर्म होने के बाद उसमे कच्चा आम छिलका सहित रखें। साथ ही टमाटर को दो भाग में काटकर रख दें।

दो से तीन टमाटर लें, खट्टेपन के हिसाब से आम की मात्रा भी बढ़ा सकती है।

साथ में आठ से दस कली लहसुन और चार से पांच हरी मिर्च को लें।

अब तेल में इन सारी चीजों को डाल दें और बिल्कुल धीमी फ्लेम पर ढंककर पका लें।

ध्यान रहे कि ये थोड़ा सा तेज आंच पर रोस्ट भी हो जाएं, जिससे चटनी में स्मोकी फ्लेवर ऐड हो।

जब सारी चीजें पक जाएं तो गैस बंद कर दें और टमाटर के छिलके को हटा दें।

चॉपर लें या मिक्सर का जार उसमे छिलका हटाकर रोस्ट हुए कच्चे आम को लें। साथ में टमाटर भी लें।

लहसुन, मिर्च को पकाया है वो साथ में डालें।

अब चटनी में फ्लेवर देने के लिए कुछ एक्सट्रा चीजों को भी मिला लें।

प्याज को छोटे आकार में काटकर डाल दें। साथ ही हरी धनिया की पत्तियों को धोकर मिला दें।

साथ में लाल मिर्च पाउडर या कलर के लिए हल्का सा कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर डाल दें। साथ में पसंद हो तो कच्चा सरसों का तेल भी डाल सकती हैं। लेकिन पसंद ना हो तो कच्चा तेल ना डालें क्योंकि सरसों के तेल में आम और टमाटर पकाया गया है तो फ्लेवर मिलेगा।

नमक स्वादानुसार डालकर इसे मिक्सी के जार में दरदरा पीस लें।

अगर चॉपर है तो उसमे डालकर पीसें। जिससे ये चटनी हल्की सी दरदरी सी रहे। इससे फ्लेवर ज्यादा अच्छा आता है।

बस तैयार है टेस्टी, चटपटी, तीखी और खट्टी कच्चे आम और टमाटर की चटनी।

क्या स्क्रीन देखने से बच्चे की आंखें हो रही हैं कमजोर?

PARENTING

जालंधर ब्रीज (फीचर) . आजकल बच्चे बिना मोबाइल के खाना भी नहीं खाते और ऐसे में मजबूरन माता-पिता को उन्हें थोड़ी देर के लिए स्क्रीन टाइम देना पड़ता है। पेरेंट्स भी समझ नहीं पाते कि बच्चों की आंखों पर क्या असर हो रहा है, इसका पता तब चलता है जब बच्चे को पढ़ाई के दौरान धुंधला या देखने में दर्द महसूस होने लगता है। पीडियाट्रिशियन इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि बच्चों की आंखें नाजुक होती हैं और अगर लंबे समय तक मोबाइल या टीवी देखते हैं तो वह लगातार मिल रही तेज रौशनी की आदि हो जाती हैं। ऐसे में जरूरी है कि पेरेंट्स समय रहते बच्चों पर ध्यान दें और आंखों की जांच करवाएं।

मोबाइल या टीवी स्क्रीन देखने के दौरान ब्लू लाइट और लगातार स्क्रीन पर नजर टिकाए रखने की वजह से आंखों में थकान, सूखापन हो सकता है।

पलक झपकाना– बच्चा जब भी टीवी-मोबाइल देखता है तो गौर करिए क्या वह बीच-बीच में लगातार पलकें झपकाने लगता है। अगर ऐसा कर रहा है, तो मतलब साफ है कि उसकी आंखों पर प्रेशर पड़ रहा है।

आंखों से पानी या मलना– कुछ केसेस में देखा गया है कि स्क्रीन देखते समय बच्चे की आंख से पानी आने लगता है। अगर ऐसा हो रहा है, तो आंख कमजोर होने का संकेत हो सकता है। बच्चा आंख बार-बार मल रहा है, तो उससे जानने की कोशिश करें ऐसा क्यों कर रहा है।

आंख लाल होना– स्क्रीन देखने के बाद बच्चे की आंखों को चेक करें और देखें कहीं वह लाल तो नहीं। अगर आंखें लाल दिख रही हैं तो स्ट्रेन के कारण ऐसा हो सकता है। साथ ही कुछ मामलों में आंखों के कमजोर होने पर लाल भी हो जाती हैं।

आंखों में दर्द या जलन– अगर बच्चा आंखों में दर्द या जलन बता रहा है, तो ये उसकी आंखों के कमजोर होने का कारण हो सकता है। ऐसे में लापरवाही न करें और डॉक्टर से जांच करवाएं।

दूर का साफ नहीं दिख रहा– बच्चे को दूर की चीजें देखने में तकलीफ हो रही है। किताब या किसी भी चीज को वह आंख के पास लाकर देख रहा है। धुंधला दिख रहा है, ऐसा बता रहा है।

बच्चे के बताए इन संकेतों पर गौर करें और उससे पूछे कि आंखों में क्या समस्या महसूस हो रही है। अगर बच्चा सबकुछ सही से बता रहा है, तो उसकी आंखें कमजोर नहीं हो रही है। बस स्क्रीनिंग से आई स्ट्रेन हो रहा है। बच्चे की आंख लाल है, पानी आना, दर्द, जलन हो रही है, तो डॉक्टर से मिलें।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

चावल का माड़ क्यों पीते थे बुजुर्ग? क्या सच में फायदेमंद है ये ड्रिंक, हेल्थ एक्सपर्ट्स से जानें!

Health पहले के लोग चावल को खुले बर्तन में पकाते थे और उसका पानी या माड़ जरूर पीते थे। आज भी कई लोग इसे हेल्दी समझकर पीते हैं। लेकिन क्या ये वाकई सेहत के लिए फायदेमंद है? जानते हैं इसपर हेल्थ एक्सपर्ट्स की राय-

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

चावल का पानी या माड़ सदियों से घरों में इस्तेमाल किया जाता रहा है। अक्सर लोग मनाते हैं कि चावल के पानी या स्टार्च में कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो पाचन, स्किन हेल्थ और भी कई चीजों में फायदेमंद होते हैं। यही वजह है कि पहले के लोग अक्सर चावल बनाते हुए उसका गाढ़ा सफेद पानी फेंकते नहीं थे, बल्कि उसमें जरा सा नमक और काली मिर्च डालकर तसल्ली से पीते थे। इन दिनों भी सोशल मीडिया पर ऐसे पुराने हेल्थ ट्रेंड वापस रिपीट हो रहे हैं और कई लोग चावल का पानी पीने की सलाह दे रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वाकई ये पारंपरिक ड्रिंक हेल्दी है या फिर इसके फायदे बढ़ा-चढ़ाकर बताए जा रहे हैं? आइए जानते हैं इसपर हेल्थ एक्सपर्ट्स की क्या राय है।

चावल का पानी या राइस स्टार्च क्या होता है?

जब चावल को पतीले या किसी खुले बर्तन में उबाला जाता है, तब एक गाढ़ा सा पानी बचता है। इस पानी में चावल के कार्बोहाइड्रेट, विटामिन्स और कुछ मिनरल्स आ जाते हैं। इसे ही चावल का पानी या स्टार्च कहा जाता है। चूंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा सबसे ज्यादा होती है, इसलिए ये शरीर को तुरंत एनर्जी देने का काम करता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो इसे यदि फर्मेंट करने के बाद कंज्यूम किया जाए, तो फायदा और भी बढ़ जाता है।

पारंपरिक रूप से चावल का पानी फायदेमंद क्यों माना जाता है?

बहुत ही पुराने टाइम से लोग चावल के पानी या माड़ को अपनी डाइट में शामिल करते आ रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि यदि किसी को कमजोरी हो, दस्त या पेट खराब होने की शिकायत हो या भूख ठीक से ना लगती हो तो चावल का माड़ पिलाना फायदेमंद होता है। जो लोग बीमारी से उबर रहे हों या तबियत खराब होने पर कुछ हल्का और आसानी से पचने वाला खाना हो, तो चावल का पानी अच्छा विकल्प हो सकता है। यही नहीं, इसे स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। खासकर कोरियन स्किन केयर रूटीन में आज भी राइस स्टार्च एक बहुत जरूरी हिस्सा है।

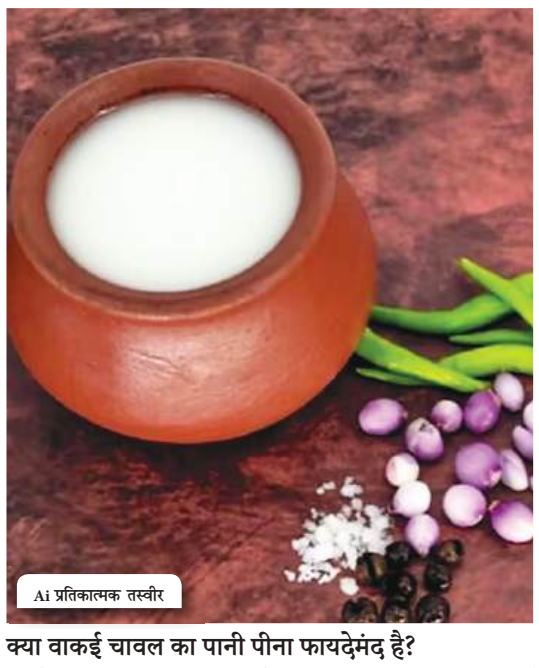

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

क्या वाकई चावल का पानी पीना फायदेमंद है?

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो चावल का पानी कोई सुपरफूड नहीं है, लेकिन हां, अगर सीमित मात्रा में पीया जाए तो इसके कुछ हेल्थ बेनिफिट्स हो सकते हैं। खासकर पेट खराब होने पर या डायरिया से रिकवरी के दौरान, इसका सेवन फायदेमंद हो सकता है। गर्मियों में शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए भी ये अच्छी ड्रिंक है। इसके अलावा ये शरीर को तुरंत ऊर्जा देने का काम करता है, जिससे कमजोरी में काफी राहत मिलती है।

हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं है चावल का पानी

डॉक्टर्स की मानें तो चावल का पानी हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं होता है। खासकर जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है, उन्हें बिना डॉक्टर की सलाह के इसका सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि ये ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा जरूरत से ज्यादा पीने पर कुछ लोगों में पेट फूलना या पाचन संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि चावल के पानी को आप पोषण से भरपूर भोजन का विकल्प नहीं मान सकते हैं। ये कभी-कभी थोड़ी मात्रा में लिया जा सकता है।

कितना और कैसे पीना है सही?

डॉक्टर्स के मुताबिक चावल के पानी को रोज-रोज पीना सही नहीं है। कभी-कभार और कम मात्रा में इसका सेवन करना बेहतर माना जाता है। अगर आप इसे फर्मेंट कर रहे हैं, तो बहुत ज्यादा दिनों तक स्टोर ना करें। वरना इसके हानिकारक बैक्टीरिया पनप सकते हैं। साथ ही इसमें जरूरत से ज्यादा नमक और चीनी एड करने से बचें। कोई भी बीमारी है तो बिना डॉक्टर की सलाह के इसे अपनी डाइट में शामिल ना करें।

नोट : *यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से लिखा गया है। इसे किसी भी तरह से पेशेवर मेडिकल सलाह का विकल्प न मानें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या या मेडिकल कंडीशन से जुड़े सवालों के लिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।*

पीएम मोदी आज हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के दौरे पर

प्रधानमंत्री लगभग 26,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारम्भ करेंगे

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब का दौरा करेंगे। सुबह लगभग 11 बजे, प्रधानमंत्री जींद रेलवे स्टेशन पर जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रधानमंत्री लगभग 11:30 बजे जींद के एकलव्य स्टेडियम में लगभग 14,700 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वे इस अवसर पर सभा को संबोधित भी करेंगे।

इसके बाद, प्रधानमंत्री चंडीगढ़ जाएंगे, जहां दोपहर करीब 1:45 बजे वे 6,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उद्घाटन करेंगे। वे इस अवसर पर सभा को संबोधित भी करेंगे।

इसके बाद, प्रधानमंत्री जालंधर पहुंचेंगे, जहां वे 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री जिंद में

प्रधानमंत्री जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, जो रेलवे क्षेत्र में स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत में ही डिजाइन, इंजीनियरिंग और एकीकृत की गई यह ट्रेन स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके विकसित की गई है, जो उन्नत रेलवे इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है। इसके साथ ही, भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा जिनके पास हाइड्रोजन-चालित ट्रेनें परिचालन में हैं। यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से चलती है, जो हाइड्रोजन को बिजली में परिवर्तित करके ट्रेन को आगे बढ़ाती है। इस प्रक्रिया में केवल जल वाष्प उप-उत्पाद के रूप में उत्पन्न होता है, जिसके परिणामस्वरूप रेल संचालन के दौरान कार्बन उत्सर्जन शून्य होता है।

डीजल ट्रेनों की तुलना में ये ट्रेनें टेलपाइप उत्सर्जन को खत्म करती हैं, जीवाश्म ईंधन और जीवाश्म ईंधन आयात पर निर्भरता कम करती हैं और शोर भी काफी कम करती हैं। पारंपरिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों के विपरीत, इन्हें निरंतर ओवरहेड विद्युतीकरण बुनियादी ढांचे की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि बिजली ट्रेन के अंदर हाइड्रोजन ईंधन सेल के माध्यम से उत्पन्न होती है। इस प्रकार ये ट्रेनें पर्यावरण को लेकर स्वच्छ और कुशल समाधान बन जाती हैं। हरित हाइड्रोजन का उपयोग जीवाश्म ईंधन आधारित थर्मल पावर प्लांट से उत्पन्न बिजली पर निर्भरता को भी कम करता है, जिससे भारत के सतत परिवहन की ओर बदलाव में सहायता मिलती है।

भारत की हाइड्रोजन ट्रेन में 10 कोच हैं, जो इसे अब तक विकसित की गई सबसे लंबी हाइड्रोजन-चालित यात्री ट्रेनों में से एक बनाती है। यह 3,200 एचपी प्रणोदन प्रणाली द्वारा संचालित है, जो इसे परिचालन में मौजूद सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन-चालित ट्रेनों में से एक बनाती है।

प्रधानमंत्री हरियाणा में 12,470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखने के साथ-साथ राष्ट्र को समर्पित भी करेंगे।

प्रधानमंत्री लगभग 9,680 करोड़ रुपये की लागत से विकसित 157.92 किलोमीटर लंबे, चार लेन वाले और पूरी तरह से सुलभ दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे (पैकेज 1 से 5) को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह ग्रीनफील्ड कॉरिडोर 667 किलोमीटर लंबे दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे का हिस्सा है। इस एक्सप्रेसवे से दिल्ली और कटरा के बीच यात्रा का समय लगभग 14 घंटे से घटकर लगभग 6 घंटे हो जाएगा, जबकि दिल्ली-अमृतसर की यात्रा का समय लगभग 8 घंटे से घटकर 4 घंटे हो जाएगा। इस परियोजना से एनएच-44 (जीटी रोड) पर ट्रैफिक काफी कम होने, श्री माता वैष्णो देवी के तीर्थयात्रा और पर्यटन में वृद्धि होने और कॉरिडोर के साथ औद्योगिक तथा लॉजिस्टिक्स विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-7 और राष्ट्रीय राजमार्ग-344 पर बने 33.81 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले, आंशिक रूप से प्रवेश-नियंत्रित अंबाला-काला अंब राजमार्ग का भी उद्घाटन करेंगे। यह राजमार्ग अंबाला शहरी क्षेत्र और काला अंब औद्योगिक क्षेत्र के बीच संपर्क को मजबूत करेगा, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के बीच सड़क संपर्क को बेहतर बनाएगा, पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही को सुगम बनाएगा और काला अंब क्षेत्र के उद्योगों के लिए लॉजिस्टिक लागत को कम करेगा।

एक अन्य महत्वपूर्ण परियोजना जिसका उद्घाटन किया जाएगा, वह राष्ट्रीय राजमार्ग-352ए पर स्थित 40.60 किलोमीटर लंबा जिंद-गोहाना ग्रीनफील्ड राजमार्ग है। यह नया राजमार्ग जिंद और गोहाना के बीच यात्रा के समय को लगभग दो घंटे से घटाकर मात्र 40 मिनट कर देगा, जिससे यात्रियों, माल परिवहन और कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण जिंद-गोहाना क्षेत्र को लाभ होगा, साथ ही रोहतक, पानीपत तथा दिल्ली-एनसीआर से कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

प्रधानमंत्री हांसी-बरवाला ब्राउनफील्ड राजमार्ग परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे, जिसकी लंबाई 24.27 किलोमीटर है और जिसके अंतर्गत मौजूदा सड़क को पक्के शोल्डर के साथ 2/4 लेन का बना दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का लोकार्पण करेंगे। यह एक महत्वपूर्ण शहरी अवसंरचना परियोजना है जिससे शहर के रेलवे क्रॉसिंग पर लंबे समय से चली आ रही यातायात की भीड़भाड़ की समस्या समाप्त हो जाएगी। इस परियोजना से वाहनों की आवाजाही सुगम होगी, सड़क सुरक्षा में सुधार होगा और रेल तथा सड़क परिवहन प्रणालियों की परिचालन दक्षता बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री पंडित नेकी राम शर्मा सरकारी मेडिकल कॉलेज, भिवानी; महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज और राव तुला राम अस्पताल, कोरियावास, नारनौल सहित प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इन संस्थानों से हरियाणा में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा मिलेगी, एमबीबीएस सीटों की संख्या में वृद्धि होगी, विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की उपलब्धता में सुधार होगा और लोगों को अपने घरों के पास बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्राप्त करने में मदद मिलेगी और इससे राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूत होगी। प्रधानमंत्री क्षेत्र के सांस्कृतिक आधारभूत ढांचे को और समृद्ध करते हुए कुरुक्षेत्र में सिख संग्रहालय की आधारशिला रखेंगे। यह संग्रहालय आधुनिक तकनीक के उपयोग के माध्यम से सिख धर्म के इतिहास, सिख गुरुओं की शिक्षाओं, उनके साहस, बलिदानों और भारत की सभ्यता तथा संस्कृति में सिख समुदाय के अमूल्य योगदान को प्रदर्शित करेगा।

प्रधानमंत्री चंडीगढ़ में

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सड़क अवसंरचना से संबंधित 6,600 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे।

प्रधानमंत्री चंडीगढ़ के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) में एडवांस्ड मदर एंड चाइल्ड सेंटर और एडवांस्ड न्यूरोसाइंसेज सेंटर का उद्घाटन करेंगे।

एडवांस्ड मदर एंड चाइल्ड सेंटर को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं, गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं और विशेष उपचार की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए व्यापक तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

नए आयकर कानून-2025 पर विभाग का आउटरीच कार्यक्रम

• जालंधर ब्रीज . चंडीगढ़

आयकर निदेशालय (खुफिया और आपराधिक जांच), चंडीगढ़ ने श्री आनंदपुर साहिब में आयकर निदेशक, चंडीगढ़, रोहित शर्मा, आईआरएस के मार्गदर्शन में 14.07.2026 को प्रारंभ (PRARAMBH), 2026 के देशव्यापी अभियान के तहत एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस सेमिनार में आईसीएआई (ICAI) के सदस्यों, बार एसोसिएशन के सदस्यों, बैंकरों और तहसीलदारों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

यह कार्यक्रम नए आयकर अधिनियम, 2025 और नए आयकर नियम, 2026 के प्रावधानों तथा I&CI निदेशालय के संबंध में एसएफटी (SFT) और एसआरए (SRA) दाखिल करने से संबंधित नए फॉर्म 97, 98, 165, 166 और 167 पर स्पष्टता प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था।

इस आउटरीच पहल का एक महत्वपूर्ण घटक एआई (AI) सक्षम "कर साथी" चैटबॉट का प्रदर्शन था। उपस्थित लोगों को चैटबॉट की कार्यक्षमता और उपयोगिता के बारे में समझाया गया कि एआई सक्षम चैटबॉट "कर साथी" आधिकारिक विभागीय वेबसाइट www.incometaxindia.gov.in पर आसानी से उपलब्ध है। तदनुसार, प्रतिभागियों को आयकर वेबसाइट पर उपलब्ध नए एआई टूल का गहन अनुभव देने के लिए "कर साथी" पर एक समर्पित डेस्क स्थापित किया गया था। सेमीनार के दौरान, सरिता अग्रवाल, आईआरएस, सहायक आयकर निदेशक, चंडीगढ़ ने नए आयकर अधिनियम, 2025 की प्रमुख विशेषताओं, I&CI निदेशालय की भूमिका और फॉर्म संख्या 61ए में एसएफटी फाइलिंग व 61बी में एसआरए से संबंधित अनुपालन आवश्यकताओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। यह समझाया गया कि, नियमों के अनुसार, स्थानीय बैंक, यानी को-ऑपरेटिव बैंक, एईओआई-सीआरएस (AEOI-CRS) फ्रेमवर्क (एफएटीसीए के अलावा) के तहत एक रिपोर्टिंग वित्तीय संस्थान है। एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें सरिता अग्रवाल, आईआरएस ने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रश्नों का समाधान और स्पष्टीकरण किया। आयकर अधिनियम के प्रावधानों के बेहतर अनुपालन और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों के साथ सहयोग को मजबूत करने पर जोर देने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांति : निर्यात और नौकरियों की उड़ान

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण परिसरों के भीतर हो रही परिवर्तनकारी क्रिया यह दर्शाती है कि देश एक वैश्विक निर्माण महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। तमिलनाडु के होसुर में स्थित देश के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण परिसरों में से एक में हजारों युवा महिलाएँ स्मार्टफोन और वैश्विक बाजारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक घटकों के निर्माण में योगदान दे रही हैं। यह सुविधा भारत की तेजी से विस्तारित हो रही इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम का प्रतीक बन गई है, जो यह दिखाती है कि विनिर्माण-आधारित विकास किस प्रकार गुणवत्ता पूर्ण रोजगार सृजित कर रहा है और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति को मज़बूत कर रहा है।

होसुर में देखी जा रही सफलताएँ भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण परिदृश्य में व्यापक रूप से हो रहे परिवर्तनों का परावर्तन हैं। देशभर में संचालित प्रमुख निर्माण सुविधाओं ने औद्योगिक रोजगार में महिलाओं की भागीदारी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है। कई अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण सुविधाएँ रिपोर्ट करती हैं कि उनके कार्यबल का बड़ा हिस्सा महिलाएँ हैं, जो इस क्षेत्र की समावेशी आर्थिक वृद्धि को उजागर करता है।

भारत के एक अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता ने क्षेत्र में महिलाओं के सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक का दर्जा प्राप्त किया है। अपनी तीन प्रमुख निर्माण सुविधाओं में वह कंपनी लगभग 80,000 लोगों को रोजगार देती है, जिनमें लगभग 65% कामगार महिलाएँ हैं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि भारतीय कंपनियों की वैश्विक प्रतिस्पर्धी निर्माण क्षमता बनाने तथा बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में योगदान को दर्शाती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण रोजगार सृजन को चला रहा है भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र पिछले दशक में देश के सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले औद्योगिक रोजगार स्रोतों में से एक बन गया है। इस क्षेत्र ने लगभग 25 लाख नौकरियाँ सृजित की हैं, जो कि निर्माण-आधारित आर्थिक वृद्धि और आजीविका सृजन में इसकी बढ़ती भागीदारी को दर्शाती हैं।

केवल मोबाइल निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में वर्तमान में मूल्य श्रृंखला के हिसाब से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 12 लाख नौकरियाँ संभाली जाती हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं ने रोजगार सृजन को और तेज़ किया है – इन योजनाओं ने 5.3 लाख से अधिक नौकरियाँ सृजित की हैं, जिनमें से लगभग 1.8 लाख रोजगार प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजनाओं के अंतर्गत और अन्य प्रमुख सरकारी पहलों के तहत लगभग 3.5 लाख रोजगार शामिल हैं।

आज कई इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण सुविधाएँ देश के सबसे बड़े औद्योगिक नियोक्ताओं में शुमार हैं। कुछ सबसे बड़े निर्माण केंद्र अपने संचालन में दसियों हजार लोगों को रोजगार देते हैं, जो भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के तेज़ विस्तार को दर्शाता है।

होसुर व् श्रीपेरुंबुदुर (तमिलनाडु) और बेंगलुरु (कर्नाटक) के मोबाइल निर्माण यूनिट अकेले एक लाख से अधिक लोगों को गुणवत्ता पूर्ण रोजगार प्रदान कर रहे हैं, एक कुशल कार्यबल का निर्माण कर रहे हैं जो भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांति को आगे बढ़ा रहा है और देश को वैश्विक विनिर्माण गंतव्य के रूप में मजबूत कर रहा है।

महिलाएँ भारत के निर्माण विकास की कहानी के केंद्र में

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र समावेशी औद्योगिक विकास का एक प्रमुख उदाहरण बन चुका है, जिसमें महिलाओं ने इसकी वृद्धि में केंद्रीय भूमिका निभाई है। पिछले दशक में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र में उत्पन्न कुल रोजगार का लगभग 30% हिस्सा महिलाएँ हैं।

मोबाइल फोन निर्माण खंड में, प्रत्यक्ष कार्यबल में लगभग 70% महिलाएँ हैं, जो इसे देश के सबसे महिला-प्रधान निर्माण क्षेत्रों में से एक बनाता है। इसके अतिरिक्त, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के लिए पीएलआई (PLI) योजना ने लगभग 90,000 महिलाओं के लिए रोजगार सृजित किए हैं, जिससे महिलाओं की औपचारिक निर्माण रोजगार में भागीदारी और मजबूत हुई है।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण इकोसिस्टम की सफलता यह दिखाती है कि यह सेक्टर महिलाओं के लिए सुरक्षित, कुशल और उच्च-गुणवत्ता वाले रोजगार सृजित कर रहा है, साथ ही उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण में योगदान दे रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स में दुनिया का भरोसेमंद केंद्र बना भारत

• जालंधर ब्रीज . चंडीगढ़

सेमीकंडक्टर पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, फिर भी ये आधुनिक जीवन के लगभग हर पहलू को शक्ति प्रदान करते हैं। यूपीआई भुगतान के लिए इस्तेमाल होने वाले स्मार्टफोन से लेकर शहरी सड़कों पर चलने वाले वाहनों, अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों, अंतरिक्ष में उपग्रहों और शासन व्यवस्था को सहारा देने वाले डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, छोटे सेमीकंडक्टर चिप आज की कनेक्टेड दुनिया की नींव बन गए हैं। जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी प्रौद्योगिकियां दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही हैं, वैसे-वैसे दुनियाभर में सेमीकंडक्टर की मांग अभूतपूर्व गति से बढ़ रही है।

भारत के लिए यह एक अवसर और रणनीतिक अनिवार्यता दोनों है। पिछले एक दशक में दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकोसिस्टम में से एक का निर्माण करने के बाद देश अब एक व्यापक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करके अपनी तकनीकी यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम 2.0 के माध्यम से सरकार चिप निर्माण से परे अपना ध्यान संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित कर रही है, जिसमें डिजाइन और निर्माण से लेकर उन्नत पैकेजिंग, सामग्री, उपकरण, अनुसंधान और कुशल प्रतिभा शामिल हैं - जिससे लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं, उच्च-मूल्य वाले रोजगार और दीर्घकालिक तकनीकी आत्मनिर्भरता की नींव रखी जा सके।

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरना इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निरंतर सुधारों पर आधारित है। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति, एसपीईसीएस, ईएमसी 2.0, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) सहित क्रमिक नीतिगत पहलों ने इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) इकोसिस्टम को रूपांतरित कर दिया है।

पिछले ग्यारह वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में सात गुना, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में ग्यारह गुना, मोबाइल फोन उत्पादन में बत्तीस गुना और मोबाइल फोन निर्यात में 165 गुना वृद्धि हुई है। भारत आज विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है, जो देश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण की ओर अग्रसर करने के लिए एक मजबूत विनिर्माण आधार प्रदान करता है।

प्रगतिशील राज्य भारत के सेमीकंडक्टर विकास का नेतृत्व कर रहे हैं प्रगतिशील राज्य भारत के सेमीकंडक्टर विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, जहां छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है । तीन संयंत्रों में पहले ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो चुका है, जबकि दो अन्य संयंत्रों में वर्ष के अंत तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है, जिससे देश के विनिर्माण इकोसिस्टम का विस्तार होगा। भारत मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना से प्रेरित होकर लगातार एक विश्वसनीय सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है, जहां देश में डिजाइन और निर्मित चिप अपनी गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। यह सब पारदर्शी नीतियों, लोकतांत्रिक मूल्यों और एक स्थिर व्यावसायिक वातावरण द्वारा समर्थित है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकोसिस्टम के तीव्र विस्तार ने पिछले दशक में लगभग 25 लाख रोजगार सृजित किए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है, जबकि मोबाइल विनिर्माण इकोसिस्टम मूल्य श्रृंखला में लगभग 12 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिसमें मोबाइल विनिर्माण में प्रत्यक्ष कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है, जो समावेशी औद्योगिक विकास में इस क्षेत्र के योगदान को दर्शाता है।

यूके व्यापार समझौते से प्रत्येक भारतीय के लिए बड़े अवसर खुलेंगे

• जालंधर ब्रीज. नई दिल्ली

आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा। इससे हमारे छोटे व्यवसायों, किसानों, मछुआरों, नवोन्मेषकों, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी 'व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता' (सीईटीए) आज से लागू हो रहा है।

पीयूष गोयल
(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है और यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार- अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा। इससे भारतीय निर्माताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को भी तेज गति मिलेगी।

व्यवसायियों में उत्साह है। उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं। रत्न और आभूषण निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230% बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी।

पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है, लगभग 99% टैरिफ लाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा। इसमें लगभग 100% व्यापार मूल्य शामिल है, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेज़ी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे।

युवा सोच, वैश्विक अवसर- यह जन-केंद्रित एफटीए 15 जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है। 2015 में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल भारत मिशन की शुरुआत की थी, जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है।

भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। बेहतर बाजार पहुँच और नियामक स्पष्टता से भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन मिलेगा। रोज़गार के अवसर - युवाओं को रोज़गार के ज़्यादा मौके मिलेंगे, क्योंकि बेहतर पहुँच के साथ रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते, जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे।

कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुंच को बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके, सीईटीए भारतीय युवाओं को जरूरी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें।

सीईटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीए के साथ लागू हो रही है, भारतीय श्रमिकों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है। कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5एफ विज़न को बुनता टेक्स 2026

• जालंधर ब्रीज. नई दिल्ली

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नज़र आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है।

वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मज़बूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13% और निर्यात में 8.6% का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मज़बूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है। आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद ज़रूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाज़ार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं।

पबित्रा मार्गेरिटा
(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत हैं।)

इस शानदार पहल के सफ़र पर नज़र डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेज़ी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की ज़बरदस्त सफलता ने एक मज़बूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेज़ी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नज़रिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता है और शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है।

इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची-समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है। भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकी वस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज़्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफ विज़न- फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफर को दर्शाता है।

पीएम मोदी के स्वागत में केवल सिंह ढिल्लों ने चलाया स्वच्छता अभियान

जालंधर के पार्क में की सफाई, पीएम के स्वागत में भाजपा ने पूरे पंजाब में चलाया स्वच्छता अभियान

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर/चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को पंजाब आगमन से पूर्व भारतीय जनता पार्टी द्वारा दो दिवसीय स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसी क्रम में आज पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने जालंधर के बाबा बुड्ढा जी नगर स्थित पार्क में दकोहा मंडल के अध्यक्ष चंदन रखेजा के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान में भाग लेकर सफाई की। इस अवसर पर केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का पंजाब में पूरे उत्साह और भव्यता के साथ स्वागत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब भाजपा के साथ-साथ समूचा पंजाबी समाज प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उत्साहित है और पलक-पांवड़े बिछाकर उनका अभिनंदन करेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी, पंजाब द्वारा पूरे प्रदेश में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया है। इसके तहत भाजपा के 620 मंडलों में 3,100 से अधिक स्थानों पर सफाई अभियान आयोजित किया गया। सार्वजनिक स्थानों, पार्कों, अस्पतालों, मंदिरों सहित विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई।

ढिल्लों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा पूरे देश में चलाए गए 'स्वच्छ भारत अभियान' से प्रेरणा लेकर यह अभियान आयोजित किया गया है। हमारा उद्देश्य देश को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाना है। अपने आसपास, गांव और शहर को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पंजाब को कई बड़े विकास परियोजनाओं की सौगात देने आ रहे हैं। उनके दौरे के दौरान रेलवे स्टेशनों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने वाली परियोजनाओं का उद्घाटन होगा। इसके साथ ही बड़े राष्ट्रीय राजमार्गों तथा पीजीआई में स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भी लोकार्पण किया जाएगा।

केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और शीघ्र ही भारत विश्व के अग्रणी विकसित देशों में शामिल होगा। इस अवसर पर भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

पंजाब के पानी को प्रदूषण से बचाने के लिए एकजुट होने का आह्वान : स्पीकर कुलतार सिंह संधवां

कहा- पवित्र काली बेईं का मॉडल बुड्ढे दरिया को भी बदल देगा

राज्यसभा सदस्य संत सीचेवाल ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया

• **जालंधर ब्रीज.** सुल्तानपुर लोधी

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने लोगों से जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि पर्यावरण का लगातार हो रहा विनाश मानव अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा है। पवित्र काली बेईं की कार सेवा की 26वीं वर्षगांठ के समापन समारोह के अवसर पर बोलते हुए संधवां ने कहा कि पानी और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पानी जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। भूजल स्तर में चिंताजनक गिरावट और जल स्रोतों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि ये चुनौतियां करोड़ों लोगों को प्रभावित कर रही हैं और समाज द्वारा सामूहिक रूप से कदम उठाने की मांग करती हैं। संधवां ने कहा कि समर्पित स्वयंसेवकों के सहयोग से राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल के नेतृत्व में पवित्र काली बेईं का शानदार पुनरुद्धार इतिहास में पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी का एक प्रेरणादायक उदाहरण बना रहेगा। बुड्ढे दरिया को पुनर्जीवित करने के लिए चल रहे प्रयासों पर विश्वास जताते हुए उन्होंने कहा कि यह दरिया भी जल्द ही पवित्र काली बेईं जैसी सकारात्मक परिवर्तन का गवाह बनेगा।

संत सीचेवाल की पर्यावरण संरक्षण के प्रति जीवनभर की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए संधवां ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य के प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के उनके मिशन को हर संभव सहयोग दे रही है। गुरबाणी के श्लोक "पवनु गुरु पानी पिता माता धरति महतु" का हवाला देते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि सिख गुरुओं ने वायु को गुरु, पानी को पिता और धरती को महान माता का दर्जा दिया है, जो मानवता और प्रकृति के पवित्र संबंध को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करने की सीख दी थी, लेकिन मनुष्य इस जिम्मेदारी को निभाने में असफल रहा है।

खुड्डियां ने सीचेवाल मॉडल को गंदे पानी को प्राकृतिक रूप से साफ करने वाली एक टिकाऊ प्रणाली बताया और संत सीचेवाल द्वारा पवित्र काली बेईं के सफल पुनर-सुरजीती तथा बुड्ढे दरिया को पुनर्जीवित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

जेल एवं एनआरआई मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि संत सीचेवाल जी ने अथक मेहनत और जनभागीदारी के बल पर पवित्र काली बेईं के कभी अत्यधिक प्रदूषित हो चुके पानी को उपयोग योग्य स्वच्छ पानी में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि प्रकृति को प्रदूषण से बचाना प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

दिनदहाड़े लोकतंत्र की लूट हुई : प्रताप बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** कादियां

पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने आज भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कादियां नगर परिषद के अध्यक्ष पद के चुनाव में जनता के जनादेश को खुलेआम कुचला गया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बलपूर्वक प्रभावित किया गया। बाजवा ने कहा कि कांग्रेस के पास नगर परिषद में स्पष्ट बहुमत था और वह लोकतांत्रिक तरीके से अध्यक्ष चुनने की पूरी स्थिति में थी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के समर्थन में सात पार्षद थे—वार्ड 1 से गुरबचन सिंह, वार्ड 2 से देबो, वार्ड 3 से सुखप्रीत सिंह, वार्ड 4 से हरपाल कौर, वार्ड 7 से नरेंद्र कुमार, वार्ड 9 से जतींदर कुमार तथा वार्ड 11 से राजेश कुमार। स्थानीय विधायक होने के नाते उनके मत सहित कांग्रेस के पास कुल आठ मत थे, जो 15 सदस्यीय नगर परिषद में अध्यक्ष चुनने के लिए पर्याप्त थे। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ अन्य पार्षदों ने भी कांग्रेस को समर्थन देने का आश्वासन दिया था।

बाजवा ने कहा, "आज सुबह मैंने स्वयं सोशल मीडिया पर लाइव आकर कादियां की जनता के साथ यह जानकारी साझा की थी कि कांग्रेस अध्यक्ष चुनने की मजबूत स्थिति में है। लेकिन आम आदमी पार्टी को जब यह स्पष्ट हो गया कि उसके पास बहुमत नहीं है, तो उसने दिनदहाड़े लोकतंत्र की हत्या करने का रास्ता चुना।" उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने के बावजूद जिला पुलिस मूकदर्शक बनी रही, जबकि आम आदमी पार्टी से जुड़े गुंडों ने नगर परिषद भवन में प्रवेश करते समय कांग्रेस के पार्षद जोगिंदर कुमार और नरेंद्र कुमार का कथित रूप से अपहरण कर लिया।

बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर किया जाने वाला वैरीफिकेशन अभियान 3 अगस्त तक चलेगा

कपूरथला (जालंधर ब्रीज). भारत चुनाव आयोग ने पंजाब में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का संशोधित प्रोग्राम जारी किया है। इसके तहत अब बी.एल.ओ. द्वारा घर-घर जाकर किया जाने वाला वैरीफिकेशन अभियान 3 अगस्त तक जारी रहेगा। इस संशोधित प्रोग्राम के बारे में जानकारी देते हुए जिला चुनाव अधिकारी आकाश बांसल ने बताया कि 25 जून से शुरू हुआ बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाताओं का घर-घर जाकर किया जाने वाला वैरीफिकेशन अब 3 अगस्त 2026 तक जारी रहेगा। उन्होंने आगे बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची 13 अगस्त 2026 को प्रकाशित की जाएगी। अब मतदाता 13 अगस्त से 12 सितंबर 2026 तक अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करवा सकेंगे। नोटिस चरण तथा दावों और आपत्तियों के निपटारे का कार्य 8 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। उन्होंने बताया कि अंतिम मतदाता सूची 12 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

सभी योग्य मतदाताओं से अपील करते हुए जिला चुनाव अधिकारी ने चल रहे घर-घर वैरीफिकेशन अभियान के दौरान बी.एल.ओ. को पूरा सहयोग देने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि मतदाता सूची में उनके विवरण सही, पूर्ण और अपडेटेड हों। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए वोटर हेल्पलाइन टोल-फ्री नंबर 1950 या जिला प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर 01822-233777 पर संपर्क किया जा सकता है।

राज्यपाल और केंद्रीय राज्य मंत्री ने 1,044 युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर सन फाउंडेशन द्वारा संचालित मल्टी स्किल डेवलपमेंट सेंटरों (एमएसडीसी) का भव्य दीक्षांत समारोह आज वर्ल्ड स्किल कैंपस ऑफ एक्सीलेंस, गवर्नमेंट आईटीआई कैंपस, गिल रोड, लुधियाना में आयोजित किया गया। समारोह के दौरान सन फाउंडेशन के पंजाब भर में संचालित कौशल केंद्रों से प्रशिक्षित 1,044 युवाओं को प्रमाण-पत्र एवं नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

समारोह में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम की मेजबानी पद्मश्री डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, राज्यसभा सांसद एवं सन फाउंडेशन के चेयरमैन ने की। इस कार्यक्रम में पंजाब भर से 3,000 से अधिक युवाओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थानों, नियोक्ताओं तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया, जिससे यह राज्य में विश्व युवा कौशल दिवस के सबसे बड़े आयोजनों में से एक बन गया। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कौशल विकास एवं रोजगार सृजन के क्षेत्र में सन फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। उन्होंने पद्मश्री डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी के दूरदर्शी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि फाउंडेशन की पहलें पंजाब के हजारों युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और सम्मानजनक रोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बना रही हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने पंजाब में विश्वस्तरीय कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए पद्मश्री डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी और सन फाउंडेशन की टीम की प्रशंसा की। उन्होंने सन फाउंडेशन को कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में एक आदर्श संस्था बताया तथा युवाओं के सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण में डॉ. साहनी के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की।

पीएम मोदी करेंगे पीजीआईएमईआर में 1,200 करोड़ की स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ अपनी स्वास्थ्य सेवाओं की यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि का साक्षी बनने जा रहा है। भारत के प्रधानमंत्री 17 जुलाई 2026 को दो अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं—एडवांस्ड न्यूरोसाइंसेज़ सेंटर (एएनसी) और एडवांस्ड मदर एंड चाइल्ड सेंटर (एएमसीसी)—का उद्घाटन करेंगे तथा क्रिटिकल केयर ब्लॉक (सीसीबी) की आधारशिला रखेंगे। लगभग 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाली ये परियोजनाएँ संस्थान के इतिहास में स्वास्थ्य अवसंरचना के सबसे बड़े विस्तारों में से एक हैं।

इन नई सुविधाओं से न केवल चंडीगढ़ बल्कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड तथा अन्य पड़ोसी राज्यों के उन लाखों मरीजों को लाभ मिलेगा, जो उन्नत चिकित्सा सेवाओं के लिए पीजीआईएमईआर पर निर्भर हैं। उद्घाटन से पूर्व अपने विचार व्यक्त करते हुए पीजीआईएमईआर के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने कहा, "ये परियोजनाएँ भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ी छलांग हैं। पीजीआईएमईआर सदैव प्रत्येक मरीज को उसकी आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इन सुविधाओं के शुरू होने से विश्वस्तरीय उपचार प्रदान करने की हमारी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, साथ ही आयुष्मान भारत योजना के तहत किफायती स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना भी जारी रहेगा।"

एडवांस्ड न्यूरोसाइंसेज़ सेंटर

एडवांस्ड न्यूरोसाइंसेज़ सेंटर को देश की सबसे उन्नत न्यूरोलॉजिकल देखभाल सुविधाओं में से एक के रूप में विकसित किया गया है। इसमें अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक तकनीक, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, उन्नत गहन चिकित्सा इकाइयाँ तथा आपातकालीन सेवाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे तंत्रिका संबंधी रोगों के उपचार की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 : स्व-नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई तक बढ़ाई गई

कपूरथला (जालंधर ब्रीज). शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, 2026 के लिए ऑनलाइन स्व-नामांकन दाखिल करने की समय सीमा बढ़ा दी है, ताकि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार में अधिक योग्य शिक्षक भाग ले सकें।

डिप्टी कमिश्नर आकाश बांसल ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि संशोधित शेड्यूल के अनुसार, जिन योग्य शिक्षकों ने अभी तक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है, वे अब 17 जुलाई, 2026 तक अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि जिन आवेदकों ने अपना रजिस्ट्रेशन पहले ही पूरा कर लिया है, लेकिन अभी तक अपनी आवेदन-पत्र जमा नहीं किए हैं, वे 20 जुलाई, 2026 तक अपने ऑनलाइन स्व-नामांकन पूरे करके जमा कर सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पोर्टल ऑनलाइन स्व-नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई, 2026 तक खुला रहेगा। उन्होंने जिले के सभी योग्य शिक्षकों से अपील की कि वे नई समय सीमा से पहले अपनी आवेदन जमा कर दें। डिप्टी कमिश्नर ने अपील की कि किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए जिला प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर 01822-233777 पर संपर्क किया जा सकता है।

धर्म और भाईचारे की मिसाल : सिख यूथ काफिले ने सजाया भव्य कीर्तन दरबार, श्री कृष्ण मुरारी मंदिर के सचिव उमा महेश्वर व कमेटी सम्मानित

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

सिख यूथ काफिले की ओर से जालंधर की नई दाना मंडी के बाहर भव्य कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। इस धार्मिक समागम में बड़ी संख्या में संगत ने पहुंचकर गुरबाणी कीर्तन का आनंद लिया और गुरु घर का आशीर्वाद प्राप्त किया। कीर्तन दरबार के अवसर पर श्री कृष्ण मुरारी मंदिर में संगत के लिए गुरु का अटूट लंगर लगाया गया। आयोजकों ने कहा कि बिना किसी भेदभाव के संगत और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही सच्ची मानवता और धर्म की सेवा है। इस अवसर पर सिख यूथ काफिले की ओर से श्री कृष्ण मुरारी मंदिर के सचिव व जालंधर ब्रीज संयुक्त संपादक उमा महेश्वर तथा मंदिर प्रबंधक कमेटी के सदस्यों को उनके सहयोग के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, एकता, आपसी भाईचारे और सद्भावना का संदेश देते हैं। उन्होंने समागम में सहयोग देने वाले सभी सेवादारों और संगत का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री के जालंधर दौरे को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी, कई रूट किए गए डायवर्ट

जालंधर (जालंधर ब्रीज). भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आज जालंधर आगमन और कैंट रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। पुलिस कमिश्नर जालंधर सतिंदर सिंह, आईपीएस के दिशा-निर्देशों पर एडीसीपी ट्रैफिक गुरबाज सिंह, पीपीएस तथा एसीपी ट्रैफिक अजय सिंह, पीपीएस की निगरानी में शहर के अंदरूनी एवं बाहरी क्षेत्रों से आने-जाने वाले वाहनों के रूट में बदलाव किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रधानमंत्री के जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन दौरे के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए 17 जुलाई को बाहरी जिलों से आने वाले भारी वाहनों, बसों और अन्य वाहनों के लिए निर्धारित डायवर्जन लागू रहेंगे।

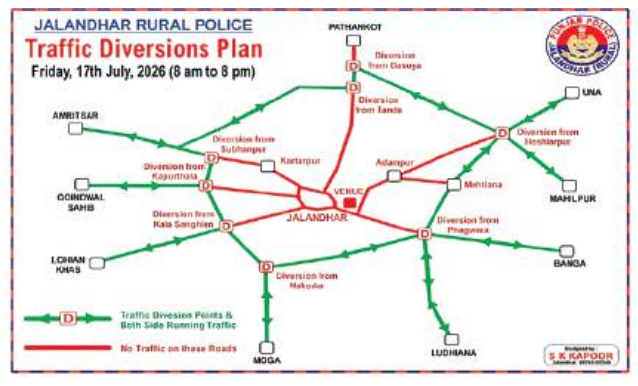

बाहरी जिलों से आने-जाने वाले भारी वाहनों के लिए डायवर्जन

लुधियाना से श्री अमृतसर साहिब आने-जाने वाला ट्रैफिक : भारी वाहन फगवाड़ा से सतनामपुरा, जंडियाला, नकोदर, कपूरथला और सुभानपुर होते हुए अमृतसर की ओर जाएंगे।

लुधियाना से होशियारपुर और पठानकोट आने-जाने वाला ट्रैफिक : वाहन चंडीगढ़ बाईपास के निकट कोनिका रिजॉर्ट से मेहतियाना, होशियारपुर और दसूहा होते हुए पठानकोट जाएंगे।

मोगा से पठानकोट आने-जाने वाला ट्रैफिक : भारी वाहन नकोदर से कपूरथला, सुभानपुर, नडाला और टांडा होते हुए पठानकोट की ओर जाएंगे।

जालंधर से आने-जाने वाली बसों के बदले हुए रूट : जालंधर से श्री अमृतसर साहिब आने-जाने वाली बसें कपूरथला और सुभानपुर होते हुए श्री अमृतसर साहिब जाएंगी। जालंधर से होशियारपुर आने-जाने वाली बसें : बसें नकोदर चौक, कपूरथला चौक, वेरका मिल्क प्लांट, पठानकोट चौक, किशनगढ़ और आदमपुर होते हुए होशियारपुर जाएंगी। जालंधर से लुधियाना आने-जाने वाली बसें : बसें समरा चौक से 66 फुटी रोड, जमशेर, जीएनए चौक और हवेली होते हुए फगवाड़ा तथा आगे लुधियाना जाएंगी। पठानकोट से जालंधर आने-जाने वाली बसें : बसें पठानकोट चौक से मकसूदां चौक, वर्कशॉप चौक, कपूरथला चौक और नकोदर चौक होते हुए जालंधर बस स्टैंड पहुंचेंगी। कमिश्नरेट पुलिस ने वाहन चालकों और आम लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित डायवर्जन रूट का पालन करें, अनावश्यक यात्रा से बचें और ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करें, ताकि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

2027 विश्व कप में होंगी कुल 14 टीमें

स्पोर्ट्स डेस्क. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 के लिए एक नए फ़ॉर्मेट का ऐलान किया, जिसकी मेज़बानी संयुक्त रूप से दक्षिण अफ़्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे। टूर्नामेंट में टीमों की संख्या 10 से बढ़कर 14 होने के साथ, इसके नए तीन-चरण वाले फ़ॉर्मेट को इस तरह से तैयार किया गया है कि ज़्यादा रोमांचक मुक़ाबले हों, हिस्सा लेने वाली टीमों को ज़्यादा मौके मिलें और फ़ैन्स का अनुभव बेहतर हो।

राउंड 3, सुपर 7 (21 मैच) - सुपर 7 स्टेज में 21 राउंड-रॉबिन मैच होंगे, जिनमें से टॉप चार टीमें सेमी-फ़ाइनल में पहुँचेंगी। सेमी-फ़ाइनल में, सुपर 7 स्टैंडिंग में पहले स्थान पर रहने वाली टीम का मुक़ाबला चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम का मुक़ाबला तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा। सेमी-फ़ाइनल: दोनों सेमी-फ़ाइनल के विजेता फ़ाइनल में मुख्य पुरस्कार के लिए

फोटो-बीसीसीआई

मुक़ाबला करेंगे।

आईसीसी ने कहा कि इन बदलावों से हर मैच का महत्व बढ़ेगा और मुकाबले पहले से ज्यादा रोमांचक होंगे। इससे प्रशंसकों को बेहतर अनुभव मिलेगा, वहीं नयी और उभरती टीम को भी क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता रहेगा। इस टूर्नामेंट में 10 टीम सीधे क्वालीफाई करेंगी। तीन मेजबान देशों में से दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे पूर्ण सदस्य देश होने के कारण अपने आप क्वालीफाई करेंगे। तीसरा मेजबान देश नामीबिया एसोसिएट सदस्य होने के कारण सीधे क्वालीफाई नहीं कर पाएगा। वनडे रैंकिंग की शीर्ष आठ टीमें बाकी 10 स्थानों को पूरा करेंगी। बची हुई चार टीम का फैसला वैश्विक क्वालीफायर के जरिए होगा।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2028 में होने वाले टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण के बाद अब सुपर-8 की जगह सुपर-10 चरण होगा। टूर्नामेंट में चार-चार टीम के पांच ग्रुप बनाए जाएंगे। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीम सुपर-10 में पहुंचेंगी। पिछले चरण में सुपर-8 के प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सीधे सेमीफाइनल में पहुंचती थीं। नए प्रारूप में अब प्रत्येक ग्रुप की केवल शीर्ष टीम ही सीधे अंतिम चार में पहुंचेगी। ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम विपरीत ग्रुप की तीसरे स्थान वाली टीम के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबला खेलेंगी जिससे प्रतियोगिता में एक नया रोमांच जुड़ जाएगा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.